

Padma Shri



DR. V. THIRUVENGADAM (POSTHUMOUS)

Dr. V. Thiruvengadam affectionately called the 5 Rupees Doctor by his patients over 45 years after he began serving residents of the area. The Doctor was well known in North Chennai for treating patients at their convenience, and began these Services in 1973. Dr. V. Thiruvengadam Clinic is located in Sri Kalyaanpuram, Vyasarpadi. His ancestral house is present right behind his clinic.

2. Born on 7th June 1950, Dr. Thiruvengadam grew up in his ancestral house with his parents. He inherited the desire to serve people from his father, who were active members of St. John Ambulance Service that trained volunteers in administering medical first aid to injured persons. He studied at the Thyagaraya Chetty School in Washermenpet from Class Six to Eleven. Then he did one year Pre Medical course at Thyagaraya College and continued studying MBBS at Stareley Medical College, Chennai. Later, he joined the Communicable Diseases Hospital in Tondiarpet. He completed his Diploma Course in Leprosy in Madras Medical College, Chennai. Then he studied Associate Fellowship of Industrial Medicine at Central Labor Institute, Mumbai, SION for three months (1.1.99-31.3.99).

3. Since 2003, Dr. Thiruvengadam has been employed as an Industrial Medical Officer in a private Hospital where his job involved periodical monitoring of the health condition of workers in Petrochemical companies and reporting any abnormalities in order to obtain appropriate Medical treatment. He had worked in several hospitals throughout Tamilnadu.

4. Dr. Thiruvengadam studied in Government School and then in a Government College all for free and it was deeply ingrained in him that he has to give back to the society that helped him. He worked in a private hospital during the day and spent his after-work hours 8 p.m. till Midnight at his private clinics in Sri Kalyanapuram and Erakkaneherry in North Chennai. He took consultation fees from people who can afford to pay but not anything more than Rs 50/-. He had hardly taken a day-off and that it was only in March-2020 that he closed his clinic for the first time in over three decades due to Covid-19 Pandemic. Even during which the patients took his consultation over phone.

5. After receiving the Weekend Leader VIT Person of the Year 2017 Award at VIT Engineering College, Vellore for treating patient at low cost, Dr. Thiruvengadam said "No medicine is required for man. Regular exercise particularly walking, brisk walking is needed". His private practice is selfless service to society for his luminous efforts to live up to the Ethics and ideals of the Hippocratic Oath.

6. Dr. Thiruvengadam passed away on 15th August, 2020.



डॉ. वी. थिरुवेगंडम (मरणोपरान्त)

डॉ. वी. थिरुवेगंडम ने 45 वर्ष पहले इस इलाके में रहने वाले बीमार लोगों का इलाज करना शुरू किया तब से लोग उन्हें प्यार से 5 रुपये वाला डॉक्टर कहने लगे। वे उत्तरी चेन्नै में खाली समय में मरीजों का इलाज करने के लिए जाने जाते थे, और 1973 में उन्होंने यह सेवाकार्य शुरू किया। डॉ. वी. थिरुवेगंडम क्लीनिक श्री कल्याणपुरम, व्यासरपडी में है। उनका पुश्तैनी मकान उनके क्लीनिक के ठीक पीछे बना हुआ है।

2. 7 जून, 1950 को जन्मे डॉ. थिरुवेगंडम अपने माता-पिता के साथ अपने पैतृक घर में पले-बढ़े। उन्हें अपने पिता से लोगों की सेवा करने का भाव विरासत में मिला। उनके पिता सेंट जॉन एम्बुलेंस सेवा, जिसमें स्वयंसेवकों को घायल व्यक्तियों की प्राथमिक चिकित्सा करने का प्रशिक्षण दिया जाता था, के सक्रिय सदस्य थे। उन्होंने वाशरमेनपेट के त्यागराय चेट्टी स्कूल में कक्षा छह से ग्यारह तक पढ़ाई की। फिर उन्होंने त्यागराय कॉलेज में एक वर्ष का प्री-मेडिकल कोर्स किया और चेन्नै के स्टारेली मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस की पढ़ाई की। बाद में, उन्होंने टॉडियारपेट में संचारी रोग अस्पताल में कार्य करना शुरू किया। उन्होंने मद्रास मेडिकल कॉलेज, चेन्नै से कुष्ठ रोग में डिप्लोमा कोर्स किया। फिर उन्होंने तीन महीने (1.1.99–31.3.99) सेंट्रल लेबर इंस्टीट्यूट, मुंबई, सायन में एसोसिएट फेलोशिप ऑफ इंडस्ट्रियल मेडिसिन का अध्ययन किया।

3. डॉ. थिरुवेगंडम 2003 से एक निजी अस्पताल में औद्योगिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त थे, जहां उनका काम पेट्रोकेमिकल कंपनियों के श्रमिकों के स्वास्थ्य की आवधिक निगरानी करना और उपयुक्त चिकित्सा उपचार के लिए किसी भी प्रकार की असामान्यता की रिपोर्ट करना था। उन्होंने तमिलनाडु के अनेक अस्पतालों में कार्य किया था।

4. डॉ. थिरुवेगंडम ने सरकारी स्कूल में और फिर एक सरकारी कॉलेज में निःशुल्क पढ़ाई की। उनके मन की गहराई में यह भावना बसी हुई थी कि उन्हें इस समाज को कुछ वापस लौटाना होगा जिसने उनकी मदद की थी। वे दिन में एक निजी अस्पताल में काम करते हैं और रात आठ बजे से आधी रात तक उत्तरी चेन्नै के श्री कल्याणपुरम और एराक्कनेहेरी स्थित अपने निजी क्लीनिकों में कार्य करते थे। वे ऐसे लोगों से परामर्श शुल्क लेते थे जो भुगतान कर सकते थे लेकिन वह भी 50 रुपये से अधिक नहीं होता था। उन्होंने शायद ही कभी एक दिन की छुट्टी ली हो, परंतु उन्होंने कोविड-19 महामारी के कारण तीन दशक में पहली बार मार्च-2020 में अपना क्लिनिक बंद किया था। इस दौरान भी मरीजों ने फोन पर उनसे परामर्श लिया।

5. कम शुल्क पर मरीज का इलाज करने के लिए, वीआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज, वेल्लोर में वीकेंड लीडर वीआईटी पर्सन ऑफ द ईयर 2017 पुरस्कार प्राप्त करने के बाद, डॉ. थिरुवेगंडम ने कहा, “मनुष्य के लिए किसी दवा की आवश्यकता नहीं है। नियमित व्यायाम, खास तौर से पैदल चलना, तेज चलना जरूरी है।” उनकी निजी प्रैक्टिस समाज की निःस्वार्थ सेवा है और हिप्पोक्रेटिक शपथ की नैतिकता और आदर्शों पर खरा उतरने का श्रेष्ठ प्रयास है।

6. डॉ. थिरुवेगंडम का 15 अगस्त, 2020 को देहावसान हो गया।